विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-19-09-2021(एन.सी.आर.टी. पर आधारित)

पाठ: सप्तम: पाठनाम प्रत्यभिज्ञानम्

शब्दार्था:

हर्ष: - प्रसन्न: , विस्मित: - आश्चर्यचकित , अपूर्व: -अद्भुत , अश्रद्धेयम् – अविश्वसनीय , ग्रहणं गत:- बंदी बना लिया गया है, निश्शङ्कम् – बिना शंका के, इदानीम् – इस समय इत: - यहाँ से,पीड़ित: - दुखी ,खलु – निश्चित, प्रकाशम् , प्रकट में, बिभाति– सुशोभित होना ब्रूहि – बोलो,बलाधिकेन -अधिक बलशाली होकर ,हर: - महादेव , अपर: , दूसरा, अथवा – या अपवार्य – हटा करके , बाढम् – अच्छा, अभिभाषय ,बात करने को प्रेरित करो ,मे – मुझे महत् – बहुत ज्यादा ,रुष्यति – चिढता है , क्रुद्ध होता है,अभिभाष्यन्ते - पुकारे जाते हैं , पितृव्य: - चाचा , उभौ – दोनों , परस्परम् – आपस में ,कृतास्त्रस्य-धनुर्विद्या में निपुण के , आत्मस्त्वम्- आत्मप्रशंसा, मातुलम् - मामा, जनार्दनं – श्रीकृष्ण को , पार्थम् – अर्जुन को पदातिना - पैदल चलने वाले के द्वारा , मदृते – मेरे सिवाय , मादृशा: - मेरे जैसा वाक्यशौण्डीर्यम् – वाणी की वीरता , उद्दिश्य – याद करके , तरुणस्य – युवक के द्वारा वञ्चयित्वा – धोखा देकर, उपसर्पतु -समीप जाएँ ,एह्येहि- आओ, आओ,उत्सिक्त: -मन में